अध्याय 11: चेतक की वीरता

विषय-सूची 4 प्रश्नावली · 10 प्रश्न

प्रश्नावली 11.1	मेरी समझ से (MCQ)	2 प्रश्न
प्रश्नावली 11.2	पंक्तियों पर चर्चा (भावार्थ)	2 प्रश्न
प्रश्नावली 11.3	मिलकर करें मिलान (भावार्थ)	1 प्रश्न
प्रश्नावली 11.4	समानार्थी शब्द (गैर-समानार्थी पहचान)	5 प्रश्न

प्रश्नावली 11.1 — मेरी समझ से (MCQ)

प्रश्न 1

चेतक शत्रुओं की सेना पर किस प्रकार टूट पड़ता था? (क) चेतक बादल की तरह शत्रु की सेना पर वज्रपात बनकर टूट पड़ता था। (ख) चेतक शत्रु की सेना को चारों ओर से घेरकर उस पर टूट पड़ता था। (ग) चेतक हाथियों के दल के समान बादल के रूप में शत्रु की सेना पर टूट पड़ता था। (घ) चेतक नदी के उफान के समान शत्रु की सेना पर टूट पड़ता था।

हल

कविता की पंक्ति है: 'विकराल बज्र-मय बादल-सा / अरि की सेना पर घहर गया।'

यहाँ 'बज्र-मय बादल' का अर्थ है — वज्र (बिजली) से भरा हुआ विकराल बादल, जो शत्रु की सेना पर टूट पड़ता है।

चेतक ठीक उसी तरह शत्रु की सेना पर वज्रपात बनकर टूट पड़ता था।

साथ ही 'बढ़ते नद-सा वह लहर गया' पंक्ति में नदी की उपमा भी है, परंतु 'घहर गया' क्रिया बादल-उपमा को प्रधान बनाती है।

सही उत्तर: (क) चेतक बादल की तरह शत्रु की सेना पर वज्रपात बनकर टूट पड़ता था।

उत्तर: (क) चेतक बादल की तरह शत्रु की सेना पर वज्रपात बनकर टूट पड़ता था।

प्रश्न 2

'लेकर सवार उड़ जाता था।' इस पंक्ति में 'सवार' शब्द किसके लिए आया है? (क) चेतक (ख) महाराणा प्रताप (ग) कवि (घ) शत्रु

हल

पूरी पंक्ति है: 'जो तनिक हवा से बाग हिली / लेकर सवार उड़ जाता था।'

यहाँ 'बाग' का अर्थ है लगाम। चेतक इतना फुर्तीला था कि जैसे ही लगाम थोड़ी-सी हिलती, वह अपने सवार को लेकर हवा में उड़ने लगता था।

'सवार' = वह व्यक्ति जो घोड़े पर बैठा हो, अर्थात् यहाँ महाराणा प्रताप।

सही उत्तर: (ख) महाराणा प्रताप।

उत्तर: (ख) महाराणा प्रताप।

प्रश्नावली 11.2 — पंक्तियों पर चर्चा (भावार्थ)

प्रश्न 1

निम्नलिखित पंक्ति का अर्थ अपने शब्दों में लिखिए— "निर्भीक गया वह ढालों में, सरपट दौड़ा करवालों में।"

हल

शब्दार्थ: निर्भीक = निडर, बिना भय के; ढालों में = ढालों (शत्रुओं की ढाल/shield) के बीच; सरपट = तेज़ गति से; करवालों में = तलवारों के बीच।

भावार्थ: चेतक बिना किसी भय के शत्रुओं की ढालों के बीच चला गया और तलवारों की भयंकर चमक के बीच भी सरपट दौड़ता रहा।

यह पंक्ति चेतक की असीम वीरता और साहस को दर्शाती है — जहाँ कोई साधारण घोड़ा भयभीत होकर रुक जाता, वहाँ चेतक निडरता से आगे बढ़ता गया।

कवि इस पंक्ति द्वारा यह बताना चाहता है कि चेतक का साहस और स्वामिभक्ति अद्वितीय थी।

उत्तर: चेतक बिना किसी डर के शत्रुओं की ढालों और तलवारों के बीच निडरता से दौड़ता रहा — उसकी वीरता और साहस अतुलनीय था।

प्रश्न 2

निम्नलिखित पंक्ति का अर्थ अपने शब्दों में लिखिए— "भाला गिर गया, गिरा निषंग, हय-टापों से खन गया अंग।"

हल

शब्दार्थ: भाला = भाला (एक प्रकार का हथियार); निषंग = तरकश (तीर रखने का थैला); हय = घोड़ा (चेतक); टापों = घोड़े के पैरों की आहट/टाप; खन गया = खनखनाया / बज उठा; अंग = यहाँ शस्त्र या कवच।

भावार्थ: युद्ध में शत्रु के हाथ से भाला और तरकश गिर गए, और चेतक के टापों की टक-टक से शत्रुओं का कवच/अंग बज उठा (अर्थात् चेतक के पैरों की चोट से शत्रु सेना में हलचल मच गई)।

यह पंक्ति युद्ध की भयंकरता और चेतक की शक्ति को दर्शाती है — चेतक के टापों की आघात से शत्रु के शस्त्र और कवच खनखनाने लगे।

शत्रु-पक्ष की हार और चेतक की प्रचंड शक्ति का यह सजीव चित्रण है।

उत्तर: युद्ध में शत्रु के भाले और तरकश गिर पड़े और चेतक के टापों की मार से शत्रु के अंग (कवच) खनखना उठे — यह चेतक की प्रचंड शक्ति का प्रमाण है।

प्रश्नावली 11.3 — मिलकर करें मिलान (भावार्थ)

प्रश्न 1

कविता में से चुनी गई निम्नलिखित पंक्तियों को उनके सही भावार्थ से मिलाइए— पंक्तियाँ: 1. राणा प्रताप के घोड़े से पड़ गया हवा को पाला था। 2. वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर, या आसमान पर घोड़ा था। 3. जो तनिक हवा से बाग हिली लेकर सवार उड़ जाता था। 4. राणा की पुतली फिरी नहीं, तब तक चेतक मुड़ जाता था। 5. विकराल बज्र-मय बादल-सा अरि की सेना पर घहर गया। भावार्थ: 1. शत्रु की सेना पर भयानक बज्रमय बादल बनकर टूट पड़ता और शत्रुओं का नाश करता। 2. हवा से भी तेज दौड़ने वाला चेतक ऐसे दौड़ लगा रहा था मानो हवा और चेतक में प्रतियोगिता हो रही हो। 3. शत्रुओं के सिर के ऊपर से होता हुआ एक छोर से दूसरे छोर पर ऐसे दौड़ता जैसे आसमान में दौड़ रहा हो। 4. चेतक की फुर्ती ऐसी कि लगाम के थोड़ा-सा हिलते ही सरपट हवा में उड़ने लगता था। 5. वह राणा की पूरी निगाह मुड़ने से पहले ही उस ओर मुड़ जाता अर्थात वह उनका भाव समझ जाता था।

हल

पंक्ति 1 → भावार्थ 2: 'राणा प्रताप के घोड़े से पड़ गया हवा को पाला था।' — चेतक इतना तेज़ था कि हवा को भी उससे प्रतिस्पर्धा (पाला) पड़ गई, मानो हवा और चेतक में दौड़ की होड़ हो रही हो।

पंक्ति 2 → भावार्थ 3: 'वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर, या आसमान पर घोड़ा था।' — चेतक शत्रुओं के सिर के ऊपर से एक छोर से दूसरे छोर तक इस तरह दौड़ता था जैसे आसमान में उड़ रहा हो।

पंक्ति 3 → भावार्थ 4: 'जो तनिक हवा से बाग हिली, लेकर सवार उड़ जाता था।' — चेतक की फुर्ती अद्भुत थी; लगाम के थोड़ा-सा हिलते ही वह सवार को लेकर हवा में उड़ने लगता था।

पंक्ति 4 → भावार्थ 5: 'राणा की पुतली फिरी नहीं, तब तक चेतक मुड़ जाता था।' — चेतक राणा प्रताप का इतना आज्ञाकारी था कि वह उनकी आँख की पुतली पूरी तरह मुड़ने से पहले ही उनका इशारा समझकर उस दिशा में मुड़ जाता था।

पंक्ति 5 → भावार्थ 1: 'विकराल बज्र-मय बादल-सा अरि की सेना पर घहर गया।' — चेतक भयंकर वज्रमय बादल की तरह शत्रु की सेना पर टूट पड़ा और उनका नाश कर दिया।

उत्तर: पंक्ति 1 → भावार्थ 2 | पंक्ति 2 → भावार्थ 3 | पंक्ति 3 → भावार्थ 4 | पंक्ति 4 → भावार्थ 5 | पंक्ति 5 → भावार्थ 1

प्रश्नावली 11.4 — समानार्थी शब्द (गैर-समानार्थी पहचान)

प्रश्न 1

दिए गए शब्दों में से वह शब्द पहचानिए जो समानार्थी न हो— हवा | अनल | पवन | बयार

हल

हवा, पवन और बयार — तीनों 'वायु' (wind) के समानार्थी शब्द हैं।
अनल का अर्थ है 'आग' (अग्नि) — यह 'हवा' का समानार्थी नहीं है।
अतः 'अनल' असमानार्थी शब्द है।

उत्तर: अनल (अर्थ: अग्नि/आग — हवा का समानार्थी नहीं)

प्रश्न 2

दिए गए शब्दों में से वह शब्द पहचानिए जो समानार्थी न हो— रण | तुरंग | युद्ध | समर

हल

रण, युद्ध और समर — तीनों 'लड़ाई' (battle/war) के समानार्थी शब्द हैं।
तुरंग का अर्थ है 'घोड़ा' — यह 'रण' का समानार्थी नहीं है।
अतः 'तुरंग' असमानार्थी शब्द है।

उत्तर: तुरंग (अर्थ: घोड़ा — रण/युद्ध का समानार्थी नहीं)

प्रश्न 3

दिए गए शब्दों में से वह शब्द पहचानिए जो समानार्थी न हो— आसमान | आकाश | गगन | नभचर

हल

आसमान, आकाश और गगन — तीनों 'आकाश' (sky) के समानार्थी शब्द हैं।
नभचर का अर्थ है 'आकाश में विचरण करने वाला' (जैसे पक्षी) — यह स्वयं आकाश नहीं है।
अतः 'नभचर' असमानार्थी शब्द है।

उत्तर: नभचर (अर्थ: आकाश में विचरण करने वाला/पक्षी — आकाश का समानार्थी नहीं)

प्रश्न 4

दिए गए शब्दों में से वह शब्द पहचानिए जो समानार्थी न हो— नद | नाद | सरिता | तटिनी

हल

नद (बड़ी नदी), सरिता और तटिनी — तीनों 'नदी' के समानार्थी शब्द हैं।
नाद का अर्थ है 'ध्वनि/आवाज़' — यह 'नद' (नदी) का समानार्थी नहीं है।
अतः 'नाद' असमानार्थी शब्द है।

उत्तर: नाद (अर्थ: ध्वनि/आवाज़ — नद/नदी का समानार्थी नहीं)

प्रश्न 5

दिए गए शब्दों में से वह शब्द पहचानिए जो समानार्थी न हो— करवाल | तलवार | असि | ढाल

हल

करवाल, तलवार और असि — तीनों 'तलवार' (sword) के समानार्थी शब्द हैं।
ढाल का अर्थ है 'shield' (रक्षा के लिए प्रयुक्त हथियार) — यह तलवार का समानार्थी नहीं है।
अतः 'ढाल' असमानार्थी शब्द है।

उत्तर: ढाल (अर्थ: shield/रक्षा-ढाल — तलवार का समानार्थी नहीं)